1

प्रार्थना

प्रस्तुत पाठ में बच्चे भगवान से प्रार्थना कर रहे हैं। उनका कहना है कि हे भगवान! हमें ऐसी शक्ति प्रदान करना जिससे हम सदैव अपने मन को आपकी भक्ति में लगाए रहें।

मन मंदिर में नित पूजा मैं,
भगवान तुम्हारी किया करूँ।
आँखों से अश्रु ढुलकाकर,
नित भेंट तुम्हें मैं दिया करूँ।

करके, जो ठंडी पड़ जाए,
ऐसी भक्ति का क्या करना।
करके, जो कभी न उतर सके,
वह प्रेमाभक्ति किया करूँ।

आँखों से निरखूँ छवि तुम्हारी,
कानों से तुम्हारे बैन सुनूँ।
ओठों पर पल-पल रहा करे,
प्रभु नाम तुम्हारा लिया करूँ।

मन-मंदिर में नित पूजा मैं,
भगवान तुम्हारी किया करूँ।
सब जीवों पर प्रेम लुटाकर मैं,
हर पल ध्यान तुम्हारा किया करूँ।

–विमल

शिक्षा हमें नित्य परमपिता परमेश्वर की भक्ति करनी चाहिए।

शिक्षण-संकेत

- इस कविता को पढ़ाते समय बच्चों को ईश्वर का अस्तित्व एवं ईश्वर-भक्ति के विषय में बताएँ।

शब्द-पोटली

नित	– हर समय	प्रेमाभक्ति	– प्रेम से उपासना	निरखूँ	– देखूँ
छवि	– मूरत	ध्यान	– चिंतन	प्रभु	– ईश्वर

अभ्यास

संकलित मूल्यांकन

पाठ बोध

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

मौखिक

(क) बच्चे किसकी प्रार्थना कर रहे हैं?

(ख) भगवान की पूजा कहाँ की जाती है?

(ग) जो कभी न उतरे, वह कौन-सी भक्ति है?

(घ) बच्चे भगवान से क्या सुनने की प्रार्थना कर रहे हैं?

लिखित

(क) हमें कैसी भक्ति नहीं करनी चाहिए?

_____

(ख) बच्चे किसकी छवि देखना चाहते हैं?

_____

(ग) बच्चे किन पर अपना प्रेम लुटाना चाहते हैं?

_____

2. सही विकल्प पर ✓ लगाइए :

(क) कविता में किसकी प्रार्थना की जा रही है?

प्रभु की ☐ मानव की ☐ पेड़ की ☐

(ख) ओठों से बच्चे पल-पल किसका नाम लेने की बात कर रहे हैं?

स्वयं का ☐ प्रभु का ☐ दोस्त का ☐

(ग) भगवान की पूजा कब करनी चाहिए?

नित ☐ कभी-कभी ☐ कभी नहीं ☐

(घ) बच्चे जीवों पर क्या लुटाना चाहते हैं?

घृणा ☐ प्रेम ☐ दया ☐

3. कविता की पंक्तियाँ पूरी कीजिए :

मन मंदिर में _____,

_____ किया करूँ।

आँखों से _____,

_____ दिया करूँ।

भाषा बोध

1. विलोम शब्द लिखिए :

नित × _____ प्रेम × _____

ठंडा × _____ सदैव × _____

2. तुक मिलते शब्द लिखिए :

भक्ति _____ नित _____

पल _____ मन _____

रचनात्मक मूल्यांकन

मौखिक अभ्यास

- निम्नलिखित शब्दों का शुद्ध उच्चारण कीजिए तथा लिखिए :

मंदिर	आँखों	ढुलकाकर	ठंडी
_____	_____	_____	_____
प्रेमाभक्ति	निरखूँ	ओठों	जीवों
_____	_____	_____	_____

परिचर्चा

- "सुबह सूरज की किरणें फैलने पर कैसा महसूस होता है?" इस विषय पर बातचीत कीजिए।

परियोजना कार्य

- भगवान की भक्ति या प्रार्थना से संबंधित अन्य कोई कविता संकलित करके कंठस्थ कीजिए।

चित्रात्मक कार्य

- बिंदुओं को मिलाकर चित्र पूरा करके रंगों से सजाइए :

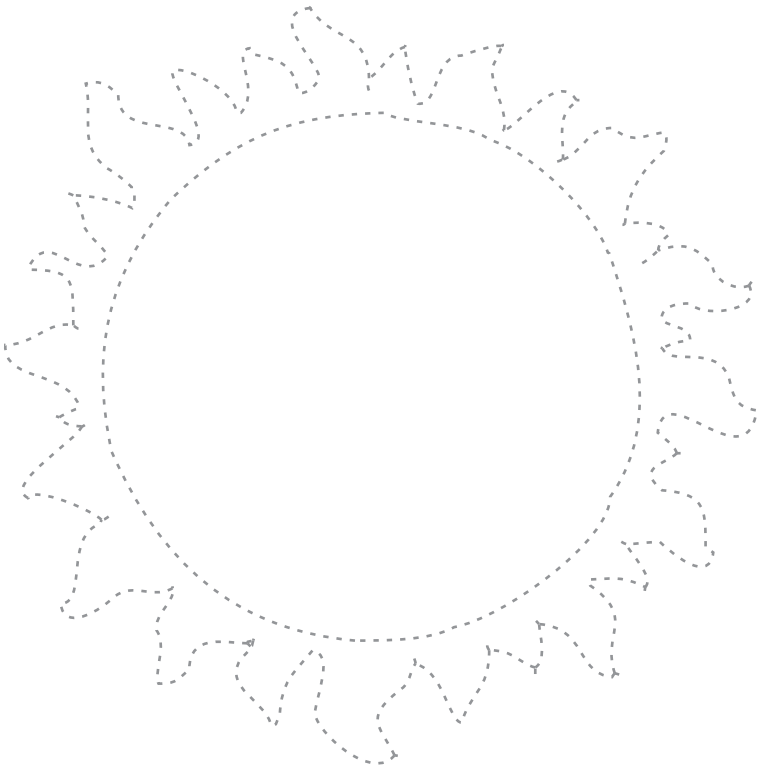

मूल्यपरक प्रश्न (VBQ)

- पृथ्वी पर पाए जाने वाले सभी जीव-जंतु ईश्वर की संतान हैं। ईश्वर ही सभी का पालन करता है। ऐसे ईश्वर का आभार आप किस प्रकार व्यक्त करते हैं?

जीवन कौशल (Life SKill)

- ईश्वर की पूजा-आराधना करने से हमारे सभी कष्ट दूर होते हैं और मन को अपार शांति प्राप्त होती है। अतः हम सबको प्रतिदिन सुबह-शाम ईश्वर की पूजा करनी चाहिए।